चम्पारण ज्ञानाग्रह

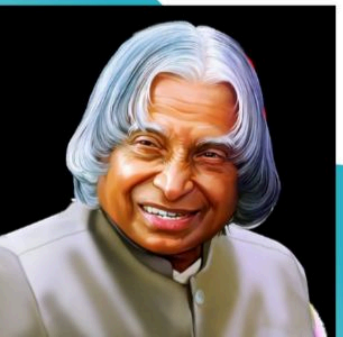
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 19 नवंबर 2026, अंक –397.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"सज्जनता का अर्थ कमजोर होना नहीं है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन...

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. गैबॉन की राजधानी क्या है?
उत्तर: लिब्रेविल
प्रश्न 2. भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश कौन थे?
उत्तर: एच. जे. कानिया
प्रश्न 3. 'तेरहताली' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. एक हेक्टेयर में कितने वर्ग मीटर होते हैं?
उत्तर: 10,000 वर्ग मीटर
प्रश्न 5. बिहार के मधुबनी जिले में आयोजित प्रसिद्ध 'सौराठ सभा' मुख्यतः किस सामाजिक परंपरा से जुड़ी है?
उत्तर: विवाह-संबंध
प्रश्न 6. कौन-सा स्तनधारी जीव पेड़ों के बीच अपनी त्वचा की झिल्ली की सहायता से फिसलकर एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक पहुँचता है?
उत्तर: उड़न गिलहरी
प्रश्न 7. निर्वात में तापमान बनाए रखने वाली थर्मस फ्लास्क का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: जेम्स डेवर
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में संशोधन करने की प्रक्रिया किस अनुच्छेद में दी गई है?
उत्तर: अनुच्छेद 368
प्रश्न 9. 'कृत्रिम' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: प्राकृतिक
प्रश्न 10. दिशा बताने वाले कंपास की चुंबकीय सुई सामान्यतः किस दिशा की ओर संकेत करती है?
उत्तर: उत्तर दिशा

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Nutrient - न्यूट्रिएंट - पोषक तत्त्व
2. Fertilizer - फर्टिलाइज़र - उर्वरक
3. Pesticide - पेस्टिसाइड - कीटनाशक
4. Herbicide - हर्बिसाइड - खरपतवारनाशक
5. Irrigation - इरिगेशन - सिंचाई
6. Harvest - हार्वेस्ट - फसल की कटाई
7. Plantation - प्लांटेशन - वृक्षारोपण



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Where are we going to + V1?"
(हम कहाँ ... करने वाले हैं?)
हम पिकनिक मनाने कहाँ जाने वाले हैं? – Where are we going to go for a picnic?
हम अपनी नई कक्षा कहाँ लगाने वाले हैं? – Where are we going to have our new class?
हम पौधे कहाँ लगाने वाले हैं? – Where are we going to plant the saplings?
हम रात का भोजन कहाँ करने वाले हैं? – Where are we going to have dinner?
हम इस विषय पर चर्चा कहाँ करने वाले हैं? – Where are we going to discuss this topic?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 19 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक स्तर पर सुरक्षित स्वच्छता, खुले में शौच की समाप्ति और सभी के लिए स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराने हेतु कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व शौचालय दिवस (World Toilet Day)
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2013 में संकल्प 67/291 पारित कर प्रतिवर्ष 19 नवंबर को आधिकारिक रूप से 'विश्व शौचालय दिवस' (World Toilet Day) घोषित किया था। इस दिवस की शुरुआत मूलतः 2001 में 'वर्ल्ड टॉयलेट ऑर्गनाइजेशन' के संस्थापक जैक सिम द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य-6 (SDG 6: Clean Water and Sanitation for All) के तहत वर्ष 2030 तक विश्व के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित स्वच्छता प्रणाली उपलब्ध कराना तथा दूषित जल व खुले में शौच से फैलने वाली जानलेवा संक्रामक बीमारियों (हैजा, डायरिया, टाइफाइड) को जड़ से समाप्त करना है। भारत में 'स्वच्छ भारत मिशन' इस वैश्विक लक्ष्य का सबसे सफल अभियान सिद्ध हुआ है।
संदर्भ: UN-Water Official Portal — World Toilet Day; UN Sustainable Development Goal 6 Dossier; Ministry of Jal Shakti (Swachh Bharat Mission), Government of India.

प्र.2. हाल ही में भारत सरकार द्वारा डिजिटल शासन और पारदर्शिता को सुदृढ़ करने हेतु 'ई-श्रम' और 'उमंग' (UMANG) प्लेटफॉर्म्स को एकीकृत कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और कौशल प्रमाणन प्रदान करने वाली किस उन्नत डिजिटल सुविधा का विस्तार किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: ई-श्रम वन-स्टॉप सॉल्यूशन पोर्टल (e-Shram One-Stop Solution)
व्याख्या: श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा 'ई-श्रम' पोर्टल को 'वन-स्टॉप सॉल्यूशन' के रूप में विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से देश के करोड़ों असंगठित क्षेत्र के कामगारों (निर्माण श्रमिक, प्रवासी मजदूर, कृषि श्रमिक और गिग वर्कर्स) को एक ही डिजिटल मंच पर विभिन्न केंद्रीय सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं से सीधे जोड़ा गया है। इसे 'उमंग' (UMANG) मोबाइल ऐप और 'डिजिलॉकर' से एकीकृत किए जाने से श्रमिक घर बैठे ही अपने यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) के माध्यम से पेंशन, स्वास्थ्य बीमा (आयुष्मान भारत), और कौशल विकास प्रमाणपत्रों का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।
संदर्भ: Ministry of Labour and Employment, Government of India Press Releases; Digital India Corporation (MeitY), 6th Floor, New Delhi.

प्र.3. आधुनिक हिंदी साहित्य की कालजयी कृति 'गोदान' और 'मैला आंचल' की परंपरा में प्रसिद्ध साहित्यकार श्रीलाल शुक्ल द्वारा रचित वह कौन-सा व्यंग्य उपन्यास है, जिसमें स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण व्यवस्था (शिवपालगंज), पंचायती राज और प्रशासनिक तंत्र के भ्रष्टाचार का तीखा चित्रण किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: राग दरबारी (1968)
व्याख्या: 'राग दरबारी' (1968) प्रख्यात हिंदी व्यंग्यकार श्रीलाल शुक्ल द्वारा रचित आधुनिक हिंदी साहित्य का एक अमर और कालजयी व्यंग्य उपन्यास है। इस उपन्यास की कथा उत्तर प्रदेश के एक काल्पनिक कस्बेनुमा गाँव 'शिवपालगंज' के इर्द-गिर्द घूमती है, जहाँ के प्रभावशाली मुखिया वैद्यजी और उनके पुत्रों (बद्री पहलवान व रुप्पन बाबू) के माध्यम से ग्रामीण राजनीति, सहकारी समितियों, शिक्षण संस्थानों और पुलिस-प्रशासन की खोखली कार्यप्रणाली पर करारा व्यंग्य किया गया है। यह उपन्यास दर्शाता है कि किस प्रकार सत्ता और स्वार्थ की नीतियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रभावित किया है। इस श्रेष्ठ कृति के लिए श्रीलाल शुक्ल को वर्ष 1969 में 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।
संदर्भ: श्रीलाल शुक्ल — 'राग दरबारी', राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 साहित्य संदर्भ; Sahitya Akademi Award Archives.

प्र.4. वन्यजीव संरक्षण और जैव-विविधता प्रबंधन में जब किसी संकटग्रस्त पादप या जंतु प्रजाति को उसके प्राकृतिक आवास (जंगल) से बाहर निकालकर चिड़ियाघर, वनस्पति उद्यान या बीज बैंक में संरक्षित किया जाता है, तो इस विधि को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: बाह्य-स्थाने संरक्षण (Ex-situ Conservation)
व्याख्या: जैव-विविधता संरक्षण की दो प्रमुख वैज्ञानिक पद्धतियाँ हैं: (1) स्व-स्थाने संरक्षण (In-situ Conservation) — जिसमें जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में ही सुरक्षित रखा जाता है (जैसे राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और बायोस्फीयर रिजर्व); (2) 'बाह्य-स्थाने संरक्षण' (Ex-situ Conservation) — जिसमें विलुप्ति के कगार पर खड़ी प्रजातियों को उनके प्राकृतिक पर्यावास से निकालकर मानव-नियंत्रित विशेष सुरक्षित स्थानों पर रखा और प्रजनन कराया जाता है। इसके प्रमुख उदाहरण हैं: जंतु उद्यान (चिड़ियाघर), वनस्पति उद्यान (बोटैनिकल गार्डन), क्रायोप्रिजर्वेशन (निम्नताप परिरक्षण - जहाँ युग्मकों को -196^\circ\text{C} पर तरल नाइट्रोजन में सुरक्षित रखा जाता है), ऊतक संवर्धन (टिशू कल्चर) और बीज बैंक।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 15 "जैव विविधता एवं संरक्षण", p. 285–288; IUCN Species Conservation Guidelines; MoEFCC Wildlife Division.

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उत्तर प्रदेश के कानपुर (बिठूर) में पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र नाना साहेब की विद्रोही सेना के प्रमुख सेनापति और गुरिल्ला युद्ध के अद्वितीय रणनीतिकार कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: तात्या टोपे (रामचंद्र पांडुरंग टोपे)
व्याख्या: तात्या टोपे (1814–1859), जिनका मूल नाम रामचंद्र पांडुरंग येवलकर था, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के सबसे कुशल और अदम्य सेनानायक थे। उन्होंने कानपुर में नाना साहेब की ओर से विद्रोही सेना का सफल संचालन किया और ब्रिटिश जनरल विंडहैम को पराजित किया। बाद में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के साथ मिलकर ग्वालियर के किले पर अधिकार किया। रानी लक्ष्मीबाई की वीरगति के बाद भी तात्या टोपे ने हार नहीं मानी और मध्य भारत, राजस्थान तथा बुंदेलखंड के जंगलों में लगभग एक वर्ष तक ब्रिटिश सेनाओं को छापामार युद्ध (Guerrilla Warfare) में छकाया। अंततः नरवर के जागीरदार मानसिंह के विश्वासघात के कारण वे सोते समय पकड़े गए और 18 अप्रैल 1859 को शिवपुरी में उन्हें फांसी दे दी गई।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 53–57;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत में महाराष्ट्र के नासिक जिले की त्र्यंबकेश्वर पहाड़ियों से निकलकर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी कौन-सी है? (भूगोल)

उत्तर: गोदावरी नदी (वृद्ध गंगा / दक्षिण गंगा)

व्याख्या: गोदावरी नदी प्रायद्वीपीय भारत की सबसे बड़ी और संपूर्ण भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी प्रणाली है, जिसकी कुल लंबाई 1,465 किलोमीटर है। अपने विशाल आकार, अपवाह तंत्र और सांस्कृतिक महत्व के कारण इसे 'वृद्ध गंगा' या 'दक्षिण गंगा' के नाम से जाना जाता है। इसका उद्गम महाराष्ट्र के नासिक जिले में पश्चिमी घाट के 'त्र्यंबकेश्वर' से होता है। इसका जल-ग्रहण क्षेत्र महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में विस्तृत है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में प्रवर, पूर्णा, मंजरा, पेनगंगा, वर्धा, वेनगंगा, प्राणहिता, इंद्रावती और सबरी शामिल हैं। राजमुंदरी के निकट यह एक अत्यंत उपजाऊ डेल्टा बनाते हुए बंगाल की खाड़ी में विलीन होती है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 21–23; NCERT Class 11 India Physical Environment, Ch 3 Drainage System, p. 26–28; Central Water

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति को सर्वोच्च न्यायालय से किसी सार्वजनिक महत्व के विधि या तथ्य के प्रश्न पर 'परामर्श मांगने' (Advisory Jurisdiction) की शक्ति प्राप्त है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 143 (Article 143)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में संघ की न्यायपालिका के अंतर्गत 'अनुच्छेद 143' राष्ट्रपति को उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की शक्ति प्रदान करता है। इसके तहत दो स्थितियाँ स्पष्ट हैं: (1) यदि राष्ट्रपति को प्रतीत होता है कि विधि या तथ्य का कोई ऐसा प्रश्न उत्पन्न हुआ है या उत्पन्न होने की संभावना है जो सार्वजनिक महत्व का है, तो वे उस पर सर्वोच्च न्यायालय की राय मांग सकते हैं (इस मामले में न्यायालय अपनी राय देने या न देने के लिए स्वतंत्र है); (2) यदि विवाद संविधान लागू होने से पूर्व की किसी संधि या करार से संबंधित है, तो सर्वोच्च न्यायालय के लिए राष्ट्रपति को अपनी राय देना अनिवार्य होता है। हालांकि, दोनों ही स्थितियों में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई राय राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी नहीं होती (अर्थात राष्ट्रपति उसे मानने या न मानने के लिए स्वतंत्र हैं)।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 143; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: [illegible]), Ch 6 "न्यायपालिका", p. 132–136; Supreme Court Landmark Judgments Compendium.

प्र.8. मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि (Largest Gland) कौन-सी है, जो वसा के पाचन (इमल्सीकरण) के लिए 'पित्त रस' (Bile Juice) का स्राव करती है? (विज्ञान)

उत्तर: यकृत (लिवर / Liver)

व्याख्या: 'यकृत' (Liver) मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि और सबसे बड़ा आंतरिक अंग है, जिसका औसत भार वयस्क मनुष्य में लगभग 1.2 से 1.5 किलोग्राम होता है। यह उदर गुहा के ऊपरी दाहिने भाग में डायफ्राम के ठीक नीचे स्थित होता है। यकृत के प्रमुख जैविक कार्य निम्नलिखित हैं: (1) यह हरे-पीले रंग का क्षारीय 'पित्त रस' (Bile Juice) स्रावित करता है, जो पित्ताशय (Gall Bladder) में संचित होता है; यद्यपि पित्त रस में कोई पाचक एंजाइम नहीं होता, किंतु यह आमाशय से आने वाले अम्लीय भोजन को क्षारीय बनाता है और वसा की बड़ी गोलिकाओं को छोटी-छोटी बूंदों में तोड़ता है (वसा का इमल्सीकरण), ताकि लाइपेज एंजाइम उस पर आसानी से क्रिया कर सके; (2) यह अतिरिक्त ग्लूकोज को 'ग्लाइकोजन' के रूप में संचित करता है तथा हानिकारक अमोनिया को कम विषैले 'यूरिया' में परिवर्तित करता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (मनुष्य में पाचन), p. 109–112; NCERT Biology Class 11, Ch 16 Digestion and Absorption; State Board Biology Guide.

प्र.9. 13वीं शताब्दी में चालुक्य/सोलंकी शासकों के मंत्री वास्तुपाल और तेजपाल द्वारा राजस्थान के माउंट आबू में शुद्ध सफेद संगमरमर से निर्मित विश्वप्रसिद्ध जैन मंदिर समूह कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: दिलवाड़ा के जैन मंदिर (Dilwara Temples)

व्याख्या: दिलवाड़ा के जैन मंदिर राजस्थान के सिरोही जिले में अरावली पर्वतमाला के हिल स्टेशन 'माउंट आबू' में स्थित श्वेत संगमरमर वास्तुकला के अद्वितीय शिखर हैं। इनका निर्माण 11वीं से 13वीं शताब्दी के मध्य गुजरात के सोलंकी शासकों के मंत्रियों द्वारा कराया गया था। इस परिसर में पांच प्रमुख मंदिर हैं, जिनमें सबसे प्रसिद्ध दो हैं: (1) 'विमल वसही मंदिर' — जिसे 1031 ईस्वी में राजा भीमदेव प्रथम के मंत्री विमल शाह ने प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) को समर्पित कर बनवाया था; (2) 'लून वसही मंदिर' — जिसे 1230 ईस्वी में दो भाइयों वास्तुपाल और तेजपाल ने 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ को समर्पित कर बनवाया था। इन मंदिरों की छतों, तोरण द्वारों और स्तंभों पर संगमरमर को कागज जितना पतला और पारदर्शी तराशकर की गई सूक्ष्म नक्काशी विश्वभर में बेजोड़ मानी जाती है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 78–82; Archaeological Survey of India (ASI) Jodhpur Circle; Rajasthan Tourism Heritage Records.

प्र.10. 1939 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना किए जाने के उपरांत बिहार में इस क्रांतिकारी दल का नेतृत्व किस प्रख्यात किसान नेता और स्वतंत्रता सेनानी ने संभाला था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: स्वामी सहजानंद सरस्वती (और शीलभद्र याजी)

व्याख्या: वर्ष 1939 में त्रिपुरी अधिवेशन के बाद जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर वामपंथी और क्रांतिकारी शक्तियों को एकजुट करने हेतु 'ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक' (All India Forward Bloc) की स्थापना की, तो बिहार में इस संगठन के विस्तार की बागडोर बिहार प्रांतीय किसान सभा के संस्थापक 'स्वामी सहजानंद सरस्वती' तथा बख्तियारपुर के जुझारू स्वतंत्रता सेनानी 'शीलभद्र याजी' ने संभाली। 1940 में रामगढ़ (तत्कालीन बिहार) में सुभाष चंद्र बोस की अध्यक्षता में 'अखिल भारतीय समझौता विरोधी सम्मेलन' (Anti-Compromise Conference) का सफल आयोजन इन्हीं दोनों नेताओं की देखरेख में संपन्न हुआ था, जिसमें द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश सरकार को कोई सहयोग न देने का संकल्प लिया गया था।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; Dr. K. K. Datta — 'History of Freedom Movement in Bihar'; Bihar State Archives Historical Monographs.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W3 — भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जानकारी तथा मॉक ड्रिल) के अनुसार भूकंप आने पर यदि कोई विद्यार्थी या व्यक्ति घर से बाहर खुली सड़क या बाजार में हो, तो उसे किन ऊंची संरचनाओं से दूर रहना चाहिए और 'आफ्टरशॉक्स' (भूकंप के बाद के झटके) से बचाव हेतु क्या सावधानी बरतनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: बिजली के खंभों, ऊंची इमारतों, पेड़ों व फ्लाईओवर से दूर खुले मैदान में जाना; क्षतिग्रस्त भवनों में तुरंत न लौटना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (नवंबर W3: भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जानकारी तथा मॉक ड्रिल) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के भूकंप सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार: (1) खुले स्थान पर बचाव नियम — यदि भूकंप के झटके महसूस होते समय आप सड़क, बाजार या विद्यालय के बाहरी परिसर में हैं, तो भागकर किसी इमारत के अंदर छिपने की भूल कभी न करें; तुरंत ऊंची इमारतों, कांच की खिड़कियों, बिजली के खंभों, हाई-टेंशन तारों, बड़े पेड़ों और फ्लाईओवर से दूर किसी खुले मैदान (Open Ground) के बीचोबीच चले जाएं; यदि आप किसी वाहन में हैं, तो वाहन को सड़क किनारे रोक दें (पुल या सुरंग के नीचे नहीं) और झटके रुकने तक अंदर ही बैठे रहें; (2) आफ्टरशॉक्स (Aftershocks) से सावधानी — मुख्य भूकंप के शांत होने के कुछ मिनटों या घंटों बाद आने वाले छोटे-बड़े झटके 'आफ्टरशॉक्स' कहलाते हैं, जो पहले से कमजोर हो चुकी दीवारों और छतों को आसानी से ध्वस्त कर देते हैं; अतः झटके रुकते ही तुरंत क्षतिग्रस्त या दरार पड़े कमरों में अपना बैग या सामान लेने वापस न जाएं; कम से कम 30 से 60 मिनट तक खुले स्थान पर ही सुरक्षित रहें और प्रशासन की आधिकारिक घोषणा की प्रतीक्षा करें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module November W3 — "भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जानकारी तथा मॉक ड्रिल"; National Disaster Management Authority (NDMA) Earthquake Safety Guidelines; SCERT Bihar Disaster Management Handbook.

प्र.12. एक रेलगाड़ी 72 किमी/घंटा की एकसमान चाल से चलते हुए 180 मीटर लंबे एक रेलवे प्लेटफॉर्म को 15 सेकंड में पूरी तरह पार कर जाती है। बताइए उस रेलगाड़ी की वास्तविक लंबाई कितने मीटर है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 120 मीटर

व्याख्या: यह 'रेलगाड़ी और प्लेटफॉर्म' (Trains and Speed-Time-Distance) की सापेक्ष दूरी और इकाई रूपांतरण पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।

दिया गया है: रेलगाड़ी की चाल (v) = 72 किमी/घंटा (सर्वप्रथम चाल को मीटर/सेकंड में बदलने के लिए 5 / 18 से गुणा करते हैं):, $v = 72 \times (5 / 18)$, 72 को 18 से विभाजित करने पर: $72 / 18 = 4$, $v = 4 \times 5 = 20\text{ मीटर/सेकंड}$।, प्लेटफॉर्म पार करने में लगा कुल समय (t) = 15 सेकंड। 15 सेकंड में रेलगाड़ी द्वारा तय की गई कुल दूरी (D) = $\text{चाल} \times \text{समय}$ $D = 20 \times 15 = 300\text{ मीटर}$। जब कोई रेलगाड़ी किसी प्लेटफॉर्म को पूरी तरह पार करती है, तो उसके द्वारा तय की गई कुल दूरी = $\text{रेलगाड़ी की लंबाई} + \text{प्लेटफॉर्म की लंबाई}$। माना रेलगाड़ी की लंबाई = L मीटर।

प्रश्नानुसार: $L + 180 = 300$, पक्षांतरण करने पर:, $L = 300 - 180 = 120\text{ मीटर}$।, अतः उस रेलगाड़ी की वास्तविक लंबाई ठीक 120 मीटर है। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 "प्रत्यक्ष और प्रतिलोम समानुपात" (गति, दूरी और समय), p. [illegible] Quantitative Aptitude — R.S. Aggarwal, Ch. "Problems on Trains".

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Lambaste (लैमबेस्ट) = Berate (बिरेइट) = कड़ी आलोचना करना / बुरी तरह फटकारना
Antonym – Praise (प्रेज़) = प्रशंसा करना / सराहना करना

Obsequious (अब्सीक्वियस) = Servile (सर्वाइल) = चापलूस / अत्यधिक आज्ञाकारी
Antonym – Assertive (असर्टिव) = आत्मविश्वास से अपनी बात रखने वाला / दृढ़

Parsimonious (पार्सिमोनियस) = Miserly (माइज़रली) = अत्यधिक कंजूस / धन खर्च करने में अनिच्छुक
Antonym – Generous (जेनरस) = उदार / दानशील

Salubrious (सलूब्रियस) = Healthful (हेल्थफुल) = स्वास्थ्यवर्धक / सेहत के लिए लाभदायक
Antonym – Unhealthy (अनहेल्दी) = अस्वास्थ्यकर / हानिकारक

Trepidation (ट्रेपिडेशन) = Apprehension (ऐप्रिहेन्शन) = भय / आशंका / घबराहट
Antonym – Confidence (कॉन्फिडेन्स) = आत्मविश्वास / निडरता



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. PM Modi Concludes Manila Visit — 23rd ASEAN-India Summit & 21st East Asia Summit; Act East Policy Gets New Momentum
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी की मनीला यात्रा संपन्न — 23वाँ ASEAN-India शिखर सम्मेलन और 21वाँ पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन; 'Act East Policy' को नई गति।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16-18 नवम्बर 2026 को मनीला, फिलीपींस में 23वें ASEAN-India Summit और 21वें East Asia Summit में भाग लिया। 49वाँ ASEAN शिखर सम्मेलन Philippines की अध्यक्षता में "Navigating the Future" थीम के साथ आयोजित हुआ। PM मोदी ने Manila Summit में ASEAN एकता और केन्द्रीयता (Centrality) के प्रति भारत के समर्थन की पुनः पुष्टि की। दोनों नेताओं ने पशुधन, कृषि और प्रतिस्पर्धा कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर समझौतों को औपचारिक रूप दिया। ASEAN-India Summit में India की Act East Policy, Indo-Pacific सुरक्षा, Malacca Strait आपूर्ति श्रृंखला और US-Iran युद्ध के प्रभाव पर चर्चा हुई। PM ने फिलीपींस राष्ट्रपति Ferdinand R. Marcos Jr. की ओर से आयोजित रात्रिभोज में भाग लिया। ASEAN में 10 सदस्य देश हैं: Brunei, Cambodia, Indonesia, Laos, Malaysia, Myanmar, Philippines, Singapore, Thailand और Vietnam। (ASEAN Summit 2026 Opens in Manila With PM Modi and Trump Due for Separate Talks +2)

2. India Clears Rs 1.11 Lakh Crore Submarine Projects — P-75I (6 Stealth Subs with TKMS/MDL) & Scorpene Follow-On; CCS Final Nod Imminent
हिन्दी अनुवाद: भारत के ₹1.11 लाख करोड़ के पनडुब्बी प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी की ओर — P-75I (6 स्टील्थ पनडुब्बियाँ TKMS/MDL) और Scorpene Follow-On; CCS की अंतिम मंजूरी आसन्न।
भारत अपनी पनडुब्बी फ्लीट के बड़े विस्तार की ओर बढ़ रहा है — दो अधिग्रहण प्रस्ताव जिनकी संयुक्त अनुमानित लागत ₹1.11 लाख करोड़ है, अब सरकार के उच्चतम स्तर पर मंजूरी की प्रतीक्षा में हैं। Mazagon Dock Shipbuilders Ltd (MDL) को Finance Ministry की ₹70,000 करोड़ की मंजूरी मिल चुकी है जिससे P-75(I) के लिए Cabinet Committee on Security (CCS) की अंतिम मंजूरी का रास्ता साफ हो गया है। P-75(I) के तहत 6 diesel-electric stealth submarines Germany की ThyssenKrupp Marine Systems (TKMS) के सहयोग से MDL में बनाई जाएंगी। Scorpene Follow-on (₹36,000 करोड़, 3 और submarines) पहले से DAC-approved है। यह परियोजना न केवल नौसेना की फ्लीट बढ़ाने बल्कि तकनीकी हस्तांतरण और स्वदेशी निर्माण क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए भी है। UPSC/BPSC के लिए: P-75(I) = 'Make in India' रक्षा कार्यक्रम का सबसे बड़ा conventional submarine project। (India's ₹1.11 Lakh Crore Submarine Push Nears Go-Ahead: German And French Deals In Final Lap +2)

3. 'Samaveshi Niti Sankalp' Summit Begins; MSME Pavilion Inaugurated at Bharat Mandapam; 57th IFFI Set for Goa from Nov 20
हिन्दी अनुवाद: 'समावेशी नीति संकल्प' शिखर बैठक प्रारंभ; Bharat Mandapam में MSME पवेलियन का उद्घाटन; 57वाँ IFFI 20 नवम्बर से गोवा में।
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 18-19 नवम्बर को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में दो दिवसीय विभागीय शिखर बैठक 'समावेशी नीति संकल्प' आयोजित की। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने दोपहर 1:30 बजे Bharat Mandapam में MSME पवेलियन का उद्घाटन किया। 57वाँ भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) 20 नवम्बर से गोवा में शुरू होगा। IFFI 2026 की थीम है 'Stories Without Borders' — और Namit Malhotra की 'Ramayana' BRICS सेगमेंट की उद्घाटन फिल्म होगी। IFFI की स्थापना 1952 में हुई थी — यह एशिया के सबसे पुराने और भारत के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सवों में से एक है। (dainikjagranmpcg) (pw)

INTERNATIONAL NEWS

1. COP31 (Antalya, Turkey): India & Sweden Launch LeadIT 3.0 — Brazil Joins; Focus on Industrial Decarbonisation 2027-2030
हिन्दी अनुवाद: COP31 (अंताल्या, तुर्किये): भारत और स्वीडन ने LeadIT 3.0 लॉन्च किया — ब्राज़ील नया सदस्य बना; 2027-2030 तक औद्योगिक कार्बन उन्मूलन पर ध्यान।
भारत ने 17 नवम्बर 2026 को अंताल्या, तुर्किये में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP31) में Industry Leaders' Roundtable के दौरान Leadership Group for Industry Transition (LeadIT) के तीसरे चरण — LeadIT 3.0 — की शुरुआत की घोषणा की। भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा — भू-राजनीतिक संघर्षों और ऊर्जा की अस्थिर कीमतों के बावजूद विकास लक्ष्यों को एक टिकाऊ भविष्य के साथ आगे बढ़ाना होगा। Brazil LeadIT का नया सदस्य बना। LeadIT 3.0 2027 से 2030 तक partnerships की स्थापना से projects के विस्तार, पूंजी जुटाने और परिणाम देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। LeadIT 2019 में India-Sweden द्वारा UN Climate Action Summit में लॉन्च किया गया था। COP31 (9-20 November 2026, Antalya, Turkey) को 'COP of Implementation' कहा जा रहा है। (COP31: India, Sweden Launch LeadIT 3.0 To Accelerate Low-carbon Industrial Transition +3)

2. ASEAN Summit: South China Sea Tensions, Mekong River Crisis & Post-Iran War Trade Routes Dominate Agenda
हिन्दी अनुवाद: ASEAN शिखर सम्मेलन: दक्षिण चीन सागर तनाव, Mekong नदी संकट और ईरान युद्ध के बाद व्यापार मार्गों की चर्चा केंद्र में रही।
49वें ASEAN शिखर सम्मेलन में South China Sea में China की बढ़ती सैन्य सक्रियता पर Philippines, Vietnam और Malaysia की चिंता प्रमुख विषय रही। साथ ही Mekong नदी पर China के बाँधों के कारण आसियान देशों में जल-संकट और US-Iran युद्ध के बाद Strait of Hormuz के वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी चर्चा हुई। India के लिए यह Summit Act East Policy को सुदृढ़ करने और ASEAN देशों के साथ व्यापार-रक्षा साझेदारी गहरी करने का महत्वपूर्ण मंच रहा।

3. Prince William & Kate Visit Mumbai; Meet PM Modi and Sachin Tendulkar on November 18
हिन्दी अनुवाद: ब्रिटेन के Prince William और Kate मुम्बई में; PM मोदी और सचिन तेंदुलकर से मुलाकात — भारत-UK संबंधों में नई ऊष्मा।
Britain के Prince William और Princess Kate मुम्बई की यात्रा पर हैं और 18 नवम्बर को PM मोदी और क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर से मिलने का कार्यक्रम है। यह यात्रा India-UK Free Trade Agreement (FTA) वार्ता की पृष्ठभूमि में हो रही है। भारत और UK के बीच 2026 में FTA पर वार्ता का तीसरा दौर पूरा हो चुका है। Prince William का यह पहला भारत दौरा है — यह दोनों देशों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मज़बूत करने का प्रतीक है। (dainikjagranmpcg)

BIHAR NEWS

1. Tejashwi Seeks Disqualification of 2 Independent MLCs Who Joined BJP After Election; CM Samrat Choudhary's Party Defends Decision
हिन्दी अनुवाद: तेजस्वी यादव ने चुनाव के बाद BJP में शामिल हुए 2 निर्दलीय MLC को अयोग्य ठहराने की माँग की; CM सम्राट चौधरी की पार्टी ने फैसले का बचाव किया।
RJD नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के MLC बंसीधर ब्रजवासी और राहुल राज को अयोग्य ठहराने की माँग की है जिन्होंने निर्दलीय रूप से चुने जाने के एक सप्ताह से भी कम समय में BJP में शामिल होने की घोषणा कर दी। शनिवार को दोनों नव-निर्वाचित MLC BJP के State Headquarters में BJP विधायक दल की बैठक में शामिल हुए जहाँ State President संजय सराओगी ने CM सम्राट चौधरी की उपस्थिति में उनका स्वागत किया। RJD ने इसे "जनादेश की चोरी" करार दिया है और Supreme Court में जाने की चेतावनी दी है। तेजस्वी ने कहा — "यह दल-बदल विरोधी कानून (Anti-Defection Law, 10वीं अनुसूची) का सीधा उल्लंघन है।" Bihar में CM सम्राट चौधरी — जो 15 अप्रैल 2026 से बिहार के 24वें मुख्यमंत्री हैं — इस मुद्दे पर विपक्ष के निशाने पर हैं। (siasat) (thehansindia)

2. Bihar: Horticulture Production to Grow 4.4% to Record 386.9 Mn Tonnes in 2025-26; Makhana, Lychee Lead the Way
हिन्दी अनुवाद: बिहार सहित पूरे भारत में बागवानी उत्पादन 4.4% बढ़कर रिकॉर्ड 38.69 करोड़ टन होने का अनुमान; मखाना और लीची अग्रणी।
भारत में बागवानी (Horticulture) उत्पादन 2025-26 में 4.4% बढ़कर रिकॉर्ड 38.69 करोड़ टन (386.9 Million Tonnes) होने का अनुमान है। बिहार के लिए यह विशेष महत्व रखता है — राज्य मखाना (Makhana/Fox Nut), लीची, केला, आम, सब्जियों और मसालों में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी है। मखाना उत्पादन में बिहार का हिस्सा देश के कुल उत्पादन का लगभग 90% है। पश्चिम चम्पारण सहित तराई क्षेत्र के किसानों के लिए बागवानी आजीविका का प्रमुख स्रोत है। UPSC/BPSC के कृषि और बागवानी खंड के लिए महत्वपूर्ण तथ्य। (pw)

SPORTS NEWS

1. India vs New Zealand — 1st Test Begins November 19 at Wellington: Gill Confirms Four Fast Bowlers, 7 Batters; WTC Final Place at Stake
हिन्दी अनुवाद: India बनाम New Zealand — पहला Test 19 नवम्बर से Wellington में: Gill ने 4 तेज़ गेंदबाज़ और 7 बल्लेबाज़ों की पुष्टि की; WTC Final की जगह दाँव पर।
भारतीय कप्तान Shubman Gill ने मंगलवार को कहा कि टीम New Zealand के खिलाफ आगामी Test सीरीज में "निश्चित रूप से" चार तेज़ गेंदबाज़ खिलाएगी। Gill ने कहा — "हम सात proper batters खेलाने की योजना बना रहे हैं। हम चार pacers के साथ खेलेंगे — यह तय है। हमारे सभी तेज़ गेंदबाज़ों ने अच्छा प्रदर्शन किया है, और यह एक अच्छी दुविधा है।" 1st Test: 19 नवम्बर, Wellington (Basin Reserve); 2nd Test: 27 नवम्बर, Christchurch (Hagley Oval)। India को WTC 2025-27 Final में जगह पक्की करने के लिए दोनों Test जीतने ज़रूरी हैं। Gill ने Rishabh Pant के अनुभव और टीम के लिए उनके महत्व को भी रेखांकित किया। (We Will Play Four Fast Bowlers For Sure: Gill Ahead Of Test Series Against NZ +3)

2. India vs New Zealand: Shubman Gill Hires 4-5 Personal Net Bowlers at Own Expense — A First in Indian Cricket
हिन्दी अनुवाद: India-New Zealand Test: Shubman Gill ने अपने खर्चे पर 4-5 Personal Net Bowlers रखे — भारतीय क्रिकेट में पहली बार।
एक दिलचस्प कदम उठाते हुए Shubman Gill ने New Zealand दौरे के लिए कम से कम 4-5 personal net bowlers को अपने साथ ले जाने और उनका खर्च खुद वहन करने का फैसला किया है — यह किसी भारतीय क्रिकेटर द्वारा पहली बार किया गया है। India के इस दौरे का शेड्यूल: T20Is (22 Oct - 1 Nov), ODIs (4-15 Nov), Tests (19 Nov - 1 Dec)। India ने Jasprit Bumrah, Mohammed Siraj, Prasidh Krishna, Akash Deep और Gurnoor Brar को पेस बॉलिंग विकल्पों के रूप में टीम में रखा है।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

📌 Current Affair of the Day
विषय: LeadIT (Leadership Group for Industry Transition)
Q. LeadIT क्या है और LeadIT 3.0 की घोषणा कब व कहाँ हुई?
उत्तर: LeadIT एक वैश्विक सार्वजनिक-निजी पहल है जिसे भारत और स्वीडन ने संयुक्त रूप से सितम्बर 2019 में New York में UN Climate Action Summit में लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य भारी उद्योगों (इस्पात, सीमेंट, एल्युमीनियम, रसायन आदि) में Low-Carbon Transition को गति देना है।
LeadIT 3.0 की घोषणा 17 नवम्बर 2026 को COP31 (अंताल्या, तुर्किये) में India-Sweden Industry Leaders' Roundtable में की गई। इसमें Brazil नया सदस्य बना।
LeadIT 3.0 की अवधि: 2027-2030
वर्तमान सदस्य: 18 देश, 27 कंपनियाँ
COP31 की अध्यक्षता: तुर्किये (Türkiye)
COP31 थीम: 'COP of Implementation'

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

प्रकृति की पाठशाला

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस – 18 नवंबर

गाँव के विद्यालय में एक दिन बच्चों ने देखा कि विद्यालय के पीछे लगे पौधे मुरझा रहे हैं। गर्मी और पानी की कमी से उनकी पत्तियाँ झुक गई थीं। बच्चे रोज उन्हें देखते, लेकिन किसी ने उनकी सुध नहीं ली थी।

एक दिन विज्ञान के शिक्षक बच्चों को लेकर वहाँ पहुँचे। उन्होंने पूछा, “बताओ, इन पौधों को फिर से हरा-भरा बनाने के लिए क्या करना चाहिए?”

किसी ने खाद डालने की बात कही, तो किसी ने अधिक पानी देने की। तभी मोहन बोला, “सर, इन्हें धूप से बचाने के लिए छाया कर देनी चाहिए।”

शिक्षक मुस्कुराए। उन्होंने समझाया, “पौधों की तरह हमारे शरीर को भी स्वस्थ रहने के लिए प्रकृति का संतुलित साथ चाहिए। स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी, पौष्टिक भोजन, उचित धूप, व्यायाम और पर्याप्त नींद हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी हैं।”

फिर उन्होंने बताया कि 18 नवंबर को भारत में राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा और प्रकृति के अनुकूल स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्राकृतिक चिकित्सा में जल, मिट्टी, सूर्यप्रकाश और स्वच्छ वायु जैसे प्राकृतिक साधनों के महत्व पर जोर दिया जाता है।

बच्चों ने उसी दिन एक छोटा-सा स्वास्थ्य अभियान शुरू किया। किसी ने पौधों की देखभाल की, किसी ने स्वच्छ पानी पीने का संकल्प लिया, तो किसी ने रोज सुबह व्यायाम करने का।

मोहन ने कहा, “सर, अब समझ आया कि प्रकृति की रक्षा और अपने स्वास्थ्य की देखभाल एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।”

शिक्षक ने कहा, “बिल्कुल! अच्छी आदतें हमें स्वस्थ रखती हैं, लेकिन बीमारी होने पर योग्य चिकित्सक की सलाह लेना भी जरूरी है।”

प्रेरक सीख: स्वस्थ जीवन का आधार प्रकृति का सम्मान, संतुलित दिनचर्या और अच्छी आदतें हैं।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-36

सोचो... समझो... हल करो...

5								3
		9			2	4		
6					1		7	
9			2			5		
		4						7
	3	2						9
	7						3	2
1		6			9			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"सफलता पाने के लिए सबसे बड़ी शर्त यह है कि आप कभी हार न मानें।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

8	2	7	8	8	4	1	9	3
3	1	9	7	5	2	4	8	6
6	4	5	9	3	1	2	7	5
9	6	1	2	7	3	5	4	8
5	5	4	1	9	5	3	2	7
7	3	2	4	8	5	6	1	9
4	7	5	6	1	5	9	3	2
2	9	3	5	4	7	5	5	1
1	5	5	3	2	9	7	5	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 11, श्लोक 33
तस्मात्त्वमुत्तिष्ठ यशो लभस्व जित्वा शत्रून् भुङ्क्ष्व राज्यं समृद्धम्।
मयैवैते निहताः पूर्वमेव निमित्तमात्रं भव सव्यसाचिन्॥

सरल हिन्दी अर्थ:
इसलिए हे सव्यसाची (दोनों हाथों से समान कुशलता से बाण चलाने वाले अर्जुन)! तुम उठो, यश प्राप्त करो और शत्रुओं (आंतरिक व बाह्य बाधाओं) को जीतकर समृद्ध राज्य का भोग करो। ये सब तो मेरे द्वारा पहले ही मारे जा चुके हैं; तुम तो केवल निमित्त मात्र (एक माध्यम या उपकरण) बन जाओ।
आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
विश्वरूप के विराट दर्शन के मध्य श्रीकृष्ण अर्जुन को निष्क्रियता और संदेह से बाहर निकालकर प्रखर कर्मशीलता और निमित्त-भाव (Instrumentality) का सबसे शक्तिशाली सूत्र देते हैं:

- तस्मात्त्वमुत्तिष्ठ (Arise and Take Charge): चिंता, अति-विश्लेषण (Overthinking) या परिस्थिति की विशालता देखकर घबरा जाने से कोई समस्या हल नहीं होती। भगवान का सीधा आदेश है—'उठो और कर्म करो'। जब लक्ष्य न्यायपूर्ण और कर्तव्य स्पष्ट हो, तो निष्क्रिय बैठना सबसे बड़ा दोष है।
- निमित्तमात्रं भव (Ego-Free Execution): जब मनुष्य सोचता है कि "सब कुछ मुझे ही करना है, मेरे बिना व्यवस्था ठप हो जाएगी", तो उस पर तनाव और अहंकार दोनों हावी हो जाते हैं। किंतु जब वह स्वयं को उस परम व्यवस्था का एक कुशल उपकरण (निमित्त) मान लेता है, तो वह पूरी ताकत से काम भी करता है और मानसिक दबाव से पूरी तरह मुक्त भी रहता है।
- सव्यसाचिन् का संबोधन (Call to Excellence): श्रीकृष्ण अर्जुन को 'सव्यसाची' कहकर उनकी असाधारण कार्यकुशलता की याद दिलाते हैं। प्रकृति चाहती है कि आप अपने कौशल का शत-प्रतिशत उपयोग करें; परिणाम की रूपरेखा पहले ही तय हो चुकी है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

ज्ञान के महासागर और करुणा के अवतार: ईश्वरचंद्र विद्यासागर

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे होनहार बालक के बारे में सुना है, जिसके घर में रात को पढ़ने के लिए दीया जलाने तक के पैसे नहीं थे, इसलिए वह सड़क के किनारे लगे खंभों (स्ट्रीट लैंप) की रोशनी में बैठकर पढ़ाई करता था? वही नन्हा बालक आगे चलकर इतना बड़ा विद्वान बना कि लोगों ने उसे 'विद्यासागर' (यानी ज्ञान का महासागर) और 'दयासागर' की उपाधि से नवाज़ा। वे थे भारत के महान समाज सुधारक, शिक्षाविद् और नारी मुक्ति के अग्रदूत ईश्वरचंद्र विद्यासागर!

ईश्वरचंद्र विद्यासागर का जन्म 26 सितंबर 1820 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर ज़िले के 'बीरसिंहा' गाँव के एक अत्यंत निर्धन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री ठाकुरदास बंद्योपाध्याय कोलकाता में एक छोटी सी नौकरी करते थे, जो बड़े ईमानदार और मेहनती थे। उनकी माता श्रीमती भगवती देवी अत्यंत दयालु, स्नेहमयी, धर्मपरायण और ममता की मूरत थीं, जिन्होंने अपने बेटे को हर गरीब और असहाय की मदद करने के संस्कार दिए।

नन्हे ईश्वरचंद्र बचपन से ही गज़ब के कुशाग्र बुद्धि और लगनशील बालक थे। एक बार जब आठ वर्ष के ईश्वरचंद्र अपने पिता के साथ पैदल गाँव से कोलकाता जा रहे थे, तो रास्ते में मील के पत्थर (माइलस्टोन) गड़े थे। नन्हे ईश्वरचंद्र ने उन पर लिखे अंग्रेज़ी के अंकों को ध्यान से देखा और अपने पिता से पूछ-पूछकर कोलकाता पहुँचते-पहुँचते पूरी अंग्रेज़ी गिनती (1 से 100 तक) सीख ली! कोलकाता के संस्कृत कॉलेज में उनकी असाधारण विद्वता, संस्कृत व्याकरण और दर्शन के गहन ज्ञान को देखकर मात्र इक्कीस वर्ष की उम्र में कॉलेज ने उन्हें 'विद्यासागर' की गौरवशाली उपाधि प्रदान की।

विद्यासागर जी केवल किताबी विद्वान नहीं थे, बल्कि उनका हृदय मक्खन जैसा कोमल और चट्टान जैसा मज़बूत था। उस समय हमारे समाज में बाल विवाह की बुरी प्रथा थी; छोटी-छोटी बच्चियों का विवाह कर दिया जाता था और यदि दुर्भाग्य से उनके पति की मृत्यु हो जाती, तो उन मासूम विधवाओं को जीवन भर अत्यंत कठोर, उपेक्षित और नारकीय जीवन जीना पड़ता था। विद्यासागर जी से यह अन्याय देखा नहीं गया। उन्होंने प्राचीन शास्त्रों के प्रमाण देकर यह सिद्ध किया कि विधवाओं को दोबारा विवाह करने का पूरा अधिकार है।

कट्टरपंथियों के भयानक विरोध और जानलेवा धमकियों की परवाह किए बिना वे लगातार संघर्ष करते रहे। उनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप ही 26 जुलाई 1856 को अंग्रेज़ सरकार ने ऐतिहासिक 'हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम' पारित किया। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने इकलौते बेटे 'नारायण चंद्र' का विवाह भी एक बाल विधवा से करवाकर समाज के सामने साहस और आदर्श की मिसाल पेश की।

उन्होंने बेटियों की शिक्षा के लिए बंगाल भर में लगभग 35 बालिका विद्यालय खोले। नन्हे बच्चों को सरलता से बंगाली भाषा सिखाने के लिए उन्होंने 'वर्ण परिचय' नामक प्रसिद्ध पुस्तक लिखी, जिससे आज भी करोड़ों बच्चे पढ़ाई की शुरुआत करते हैं। वे सादगी की ऐसी मूरत थे कि जब उन्हें वायसराय से मिलने जाना होता था, तब भी वे केवल सादा धोती, चादर और साधारण चप्पल पहनकर ही जाते थे। 29 जुलाई 1891 को कोलकाता में इस महामानव ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, ईश्वरचंद्र विद्यासागर का पावन जीवन हमें सिखाता है कि गरीबी कभी भी पढ़ने और महान बनने के रास्ते में बाधा नहीं बन सकती; खूब मन लगाकर पढ़ो और हमेशा कमज़ोरों व असहायों की सेवा करो।



.....✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

संसार में जहाँ भी आपको सत्य, सौन्दर्य, सामर्थ्य और उत्कृष्टता के दर्शन हों, उसे नमन कीजिए और उससे सीखिए। प्रतिभा पर अहंकार मत कीजिए, क्योंकि हर श्रेष्ठता उस अनंत शक्ति का ही एक अंश है जो आपके माध्यम से संसार को प्रकाशित कर रही है।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org